



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 26-12-2025

कानपुर-देहात(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-27	2025-12-28	2025-12-29	2025-12-30	2025-12-31
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.0	19.0	20.0	21.0	21.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	8.0	9.0	9.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	96	94	98	96	91
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	64	63	60	58	57
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	7	7	8	8
पवन दिशा (डिग्री)	288	360	283	290	285
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	2	0
चेतावनी	ठंडा दिन; कोहरा	ठंडा दिन; कोहरा	कोहरा	कोहरा	कोहरा

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों तक आसमान साफ रहने के कारण बारिश की कोई संभावना नहीं है। सुबह और रात के समय धना कोहरा और ठंड रहेगी। अधिकतम तापमान 18.0-21.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के करीब रहने की संभावना है और न्यूनतम तापमान 7.0-9.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य के करीब रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 91-98 और 57-64% के बीच रहेगी। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम से होगी और हवा की गति 5.0-8.0 किमी/घंटा के बीच रहेगी, जो सामान्य से 3-4 किमी/घंटा अधिक रहने की उमीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से मिले मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, सुबह और रात के समय धने कोहरे और शीतलहर के लिए चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि पाले से बचाव हेतु रबी की खड़ी फसलों हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे -विलम्ब से बोई जाने वाली गेहूँ की बुवाई उचित नमी पर अतिशीघ्र पूरा करने का प्रयास करें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विलम्ब से बोई जाने वाली गेहूँ की बुवाई उचित नमी पर करें। वातावरण की ऊपरी सतह पर हल्की धूम्र वं प्रातः काल एवं रात्रि के समय धना कोहरा दिखाई देने के आसार है। अतः किसान भाई गेहूँ, सरसो, आलू एवं सज्जियों की खड़ी फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखें। वर्तमान मौसम को देखते हुए पशुओं को ठण्डे से बचाने के लिए सुबह-शाम पशुओं के ऊपर झूल डालें तथा

रात्रि के समय बाड़े की खिड़कियों व दरवाजों को टाट-बोरी के परदे बनाकर डाले तथा दिन के समय परदे को हटा दें। पशुओं को प्रातः बाड़े से बाहर निकालकर धूप में बाधें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूं, सरसों, आलू और सब्जियों की खड़ी फसलों को पाले से बचाने के लिए हल्की सिंचाई करके उचित नमी बनाए रखें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ की फसल में पहली सिंचाई बुवाई के 20-25 दिन बाद तथा ऊसर भूमि में बुवाई के 28-30 दिन बाद (ताजमहल अवस्था) पर और दूसरी सिंचाई 40-45 दिन पर कल्पे निकलते समय हल्की सिंचाई अवश्य करें। गेहूं की फसल में यदि सकरी व चौड़ी पत्ती वाले, दोनों प्रकार के खरपतवार दिखाई दे तो इसके नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फुरान 75% डब्लू पी ३३ ग्राम/हेक्टेयर या मैट्रीब्यूजिन 70 %डब्लू पी २५० ग्राम / हेक्टेयर की दर से ५००-६०० लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। मौसम के वृष्टिगत सिंचित दशा में विलम्ब से बोई जाने वाली गेहूं की संस्तुति प्रजाति मालवीय -२३४, यू.पी.-२३३८, के.-७९०३, के.-१९०२, के.-९५३३, एन.डी.-२६४३, एच.पी.-१७४४, एन.डब्ल्यू.-१०१४, यू.पी.-२४२५, डी.बी.डब्ल्यू.-१४, पी.बी.डब्ल्यू.-५२४, एन.डब्ल्यू.-५१०, एन.डब्ल्यू.-१०७६ आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई का कार्य उचित नमी पर करें।
सरसों	समय से बोई गई सरसों की फसल में नत्रजन की शेष बची हुई मात्रा की टॉपड्रेसिंग पहली सिंचाई (बुवाई के 30 - 35 दिन के बाद) उपयुक्त नमी पर करें तथा दूसरी सिंचाई बुवाई के ५५-६५ दिन पर फूल निकलने के पहले करें। सरसों की फसल में आरा मक्खी और बालदार सुण्डी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट ५ % एस जी २०० ग्राम /हेक्टेयर की दर से ५००-६०० लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
फील्ड पी	मटर की फसल में पहली सिंचाई फूल बनते समय तथा दूसरी सिंचाई दाना भरते समय करें। मटर की फसल में तने की मक्खी और पत्ती सुरंगक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट ५ % एस जी २०० ग्राम /हेक्टेयर की दर से ५००-६०० लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
चना	समय से बोई गई चने की फसल यदि १० - १२ सेंटीमीटर की हो जाय तो फसल की खुटाई करें। चने की फसल में कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु क्लोरपाइरीफॉस ५०% ईसी + साइपरमेथ्रिन ५% ईसी २.० लीटर/ हेक्टेयर की दर से ५००-६०० लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	वातावरण में नमी बढ़ने/बादल छाये रहने और तापक्रम गिरने से आलू की फसल में झुलसा रोग का प्रकोप तेजी से फैलता है, अतः इसके रोकथाम हेतु मैकोजेब २.० ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आलू की फसल में सिंचाई का कार्य १२ - १५ दिन के अन्तराल पर आवश्यकतानुसार करें। आलू की फसल में कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु क्लोरपाइरीफॉस २० ईसी २.५ लीटर/ हेक्टेयर की दर से ५००-६०० लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
प्याज	समय से बोई गई सब्जियों की आवश्यकतानुसार निराई व सिंचाई का कार्य करें। टमाटर की फसल में पछेती झुलसा और बैक्टीरियल बिल्ट रोग का प्रकोप दिखाई देने पर १० लीटर पानी में ३० ग्राम कॉपर ऑक्सिक्लोराइड और १ ग्राम स्ट्रेटोसाइलिन का मिश्रण मिलाकर छिड़काव करें। सब्जिओं की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु नीम आयल की १.५ मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर ३-४ छिड़काव ८-१० दिन के अंतराल पर करें। प्याज की नर्सरी में डैमिंग आफ (आर्ट्र्ड गलन) रोग दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु थाइरम २.५ ग्राम या मैकोजेब २.५ ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। प्याज की संस्तुति प्रजातियाँ- कल्याणपुर लाल गोल, पूसा रतनार, एग्रीफॉउण्ड लाइट रेड , एक्स केलीवर, बरगण्डी, के पी, ओरिएन्ट , रोजी आदि में से किसी एक प्रजाति की नर्सरी डालें।
पपीता	पपीते के पौध की रोपाई का कार्य करें। केले/पपीते के बागों की गुड़ाई-करके तने के चारों तरफ २५-३० सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे स्टेंडिंग करें। आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु २% काबरिल १.५ % धूल का बुरकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	मौसम में बदलाव की संभावना को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम के लिए टीका लगवायें। इस रोग से ग्रसित पशुओं के घाव को पोटैशियम परमैगेनेट से धोए। गर्भवती भैसों/गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधे। गर्भवती भैसों/गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। किलनी/जू के संक्रमण से बचाव हेतु पशुबाड़ों में चूने का छिड़काव करें ताकि किलनी/जू के अंडे व लार्वा नष्ट हो जाय। प्रजनन संबंधी समस्त रोगों के निराकरण हेतु पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि हरा चारा, भूसा, पशु आहार के अतिरिक्त खनिज लवण अवश्य खिलायें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 2-3 बार अवश्य पिलायें। कृषकों/पशुपालकों के द्वारा पर पशुचिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन नं.-1962 पर सम्पर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि मुर्गियों के रहने के स्थान पर प्रति दिन सफाई करें। मुर्गियों को स्वच्छ पानी तथा सन्तुलित आहार की व्यवस्था करें। मुर्गियों/चूजों को ठण्ड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें। मुर्गियों/चूजों को पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था करें। कृमिनाशक दवा पिलायें। रानीखेत बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण करायें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से मिले मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, सुबह और रात के समय धने कोहरे और शीतलहर के लिए चेतावनी जारी की गई है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सूचित किया जाता है कि पाले से बचाव हेतु रबी की खड़ी फसलों हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनायें रखें। रबी के मौसम में बोई जाने वाली फसले जैसे -विलम्ब से बोई जाने वाली गेहूँ की बुवाई उचित नमी पर अतिशीघ्र पूरा करने का प्रयास करें।

Farmers are advised to download Unified ♦Mausam♦ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details/>